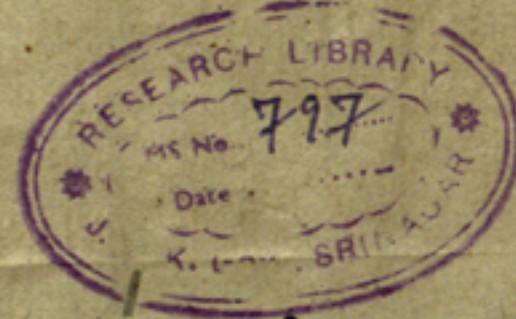


Lala wagan

No 797



No 797

ॐ श्रीगुरुवे नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
 लसंभुतसंभुदमिडुमीगुरेः पादकंस ।  
 लल्लमवीभूमिउं वरुणउं पद्मसुंदरसुउं  
 भुवन् ॥ बृहन्मभविक्कमभा नया उ  
 धे गगनभा भगुन् भिले भभिसुए सुता  
 गलेउ भुवभया भुते यद्रया उपमसा ह्रिया  
 छए ॥ बृहन्मनलयेनीउं सुसुसुतुदभया  
 उ भविडुपंमिधुउं सुतुउं नपुनभयभा ॥  
 वल्लनभा कुला न भुति कृधिभुदि भुति  
 भुवेसा रुएना मिवा मऊा न भुति भुतेया  
 किन्ना उमेया उपमसा ॥ वल्लनभंय  
 मुद्मिवमऊीकुलकुल यद्मचभिमंलीन

1. नत्वा (C); 2. छए (B, C); 3. सविकारस (C);
4. गगनरा (B, C); 5. द्रवा (B); 6. रुद्रय (C);
7. शून्ये (C); 8. कुल भुल (C); 9. सुतोयैय (C);
10. भिल (B), कोह (C).





भयंभुंभंगुत्त ॥ १ ॥ लला कुसुयभा  
<sup>12</sup>ललरि ककुना<sup>13</sup>लेअभा मिना ककुना वरणा  
<sup>14</sup>वेभुभा थण्डा थननिगि मेया रीभभा न  
<sup>15</sup>भभभा ॥ लल्लंनित्तउत्तरभवेधुंम  
<sup>16</sup>दुंविठुभा इदुल्लेभयइभिदुल्लेभवे  
<sup>17</sup>गदभित्तः ॥ ३ ॥ मभभा करभ  
<sup>18</sup>भा मभारुलि भूलेभा मीथा उ ननियभा  
<sup>19</sup>एउ एनकिभभुगैगीभा ललियभा ललि  
<sup>20</sup>धम मपित्तभा रुमि भुद्धा ॥ उउःभ  
<sup>21</sup>एमिरेणभभुल्लुएनमीधिकभा भुण्ण  
<sup>22</sup>भेभयउइमिदुउपेनिरभयः ॥ ४ ॥  
<sup>23</sup>भनोवनेककुभज देवठा मिज दुपार  
<sup>24</sup>ना भकडुयैभउविमंग/थगउपणा यम

पू.

11. सुपदेशं (C); 12. लोलदि (C); 13. लुक्का (C);  
 14. कगलो (C); 15. उओल्लोम (C); 16 + 17 (C);  
 17. हारिद (C); 18. दगत् (B, C); 19. प्रजल्लोम (C);  
 20. ज्ञानके (C); 21. वैरेम (C); 22. पद ललि  
 23. तत्र (B, C); 24. Obviously a scribal error.

भमेया एनेना रुदेया भनेना मिना ककुना उ  
 रणा यभा भुवया भना भभने उमेया मिनेभा  
 भु गुरुना ॥ भुद्धपेरिनिंगरिदुभचभि  
 मंभभा कउंनिदुउभनभभुनमभुमल्लुगः ॥ ५ ॥  
 मिमनभभा एनभूकामभा यमवा मिने उभ  
 या एवीवउभुजविधमभा मंभगवभा थमभा  
 भुवुण्ण गणुमउमउमउ ॥ मिमनभेएन  
 दुपःभूकामभेनिरभयः यैदुल्लेभवेउपिभु  
 उभुदुदुषभित्तः ॥ ७ ॥ नभा नपणा  
 नपल्लेनेभा मभेवणेभा एणउमल्लु भुद्ध  
 भ भिलेनएनेभा भुद्धउउकेल्लु भवेदु ॥  
 नभनकुंनमभुपिण्णुउमल्लुभभनउः भुद्ध  
 कंमडुयउनकसुवभित्तमंभयः ॥ १ ॥ मि  
 वा वा कंमवा वणिना वा कभल्लु नभा नभा

25. अनुपव (B); अनुवु (C); 26. - नं (C);



एगिलि येयेमि अगलि कसउना कवरणमे  
 वमेवमेवमे ॥ मिवेवकमेवेवपिलिने  
 वरुदिलेपिव मंभारेगेणउरुभचलं  
 भंमिकिउ ॥ ३ ॥ कनागलेउ भूकम  
 लेनि मकु गलेउधेउमिडा मिडागलेउकि  
 पुनकेनिगया उडुवः अः विमलेउ किषा ॥  
 एनेनधुकमउमकुविधुं उभिन्नधुकमउ  
 मिउमेव मिउनधुकमउमचमेवपधुमी  
 मंगमुडिउधिमचमा ॥ ७ ॥ उषा  
 ३० रण अचना भापरा मुधि अलपला वापरा  
 डिउ ३२ यमिणनापा परमेधम अका अणरा  
 पिमेपरा ३४ हिमेपरा डिउ ॥ उडिधुमाडि  
 कभिरुंअणयेयंभुरमिठिः यमिणउभणं  
 उडयउनापिकणुडिः ॥ ०० ॥ उडागलि ३६

सु.

२७. प्रकाशा (B, C); २८. मुवि (C); २९. दृश्य जातं (B);  
 ३०. शजेन (C); ३१. रेण्णा (B, C); ३२. वरुण (C);  
 ३३. यदुनै (C); ३४. अरुण (C); ३५. रुर (C);  
 ३६. पूजयेशं (C); ३७. + त (C).

भउमा विम भउ गलि भुतेमिडा मिडा  
 गलिउ किडुनकेनि सुटमा सुटमि  
 लेउ गवा ॥ उरुमचेलीयउभउएव  
 भउमिडुलीयउनामभुलमा मिडुलीन  
 लीयउमचमेवममुंमुपुलीयउमिडुउप  
 भा ॥ ०० ॥ मउ कउग गहा किगि  
 डिउ कउग ३४ पुनभनीलेग विनली  
 व भगिन लीवउभगिउ मेया नुना ॥  
 ३८ उडुनधुपुडिनेवरुंमदं गणीउमुउ  
 मवलकु लीवेधुलेठनभउमउमिउ  
 धुनैवमिडिणउभउः ॥ ०१ ॥ येभया  
 भउ उभया धमि सुभगला मिवना  
 हउमा हेयेनया डिउठन मिउमा सु  
 धना

सु.

३७. किह (B); ३८. मन्त्र (C); ३९. मूलः (C);  
 ४०. शिष्यो (C); ४१. स्वरूपः (C); ४२. हित (B, C);  
 ४३. दृष्टा (C); ४४. केत (C, D); ४५. जीवन्तो (C, D);  
 ४६. Corrected from - पालोमेन (found also in B);  
 ४७. ध (B, D); ४८. तुरुर (C); ४९. निरु मि (B-D).



शुभीमधविवा भुधमा ॥ यमवधकुं  
 मवउमवमभभूठे नियेऊइनियेह  
 कंमऊडीहवयेठिम् ॥ ०३ ॥ मिवा  
 गेरे उ केमवा भलनमा वृद्धापायक  
 रिना उलभिमा येगीयेगकलिपल्लनि  
 भा केमा देवा सुसुवग धिण सुदिमा ॥  
 मिवेसुः केमवभुधपद भापुकुमुषा पा  
 मयउउइवेष्टः भासीकउडिमेवम् ॥ ०४ ॥  
 पुनऊडा पञ्चउपा सुटलया घमा नवा  
 ना वला नगेडा नउपा अरुनिनम वि  
 न्ना उयवनेमेया देवा सुसुवग धिण सु  
 दिमा ॥ पुनऊडाः पञ्चउपाः सुटभेवि  
 गडभयः पुनभउयेवनेलेन मसिमुम्  
 केकिमः ॥ ०५ ॥

श्री.

50 (B); मू (C); यु (C); 51 मुधुस (C); 52. नियेऊइ (C);  
 53 जोडा (B); ता (C); 54 पल्लम (C); 56 हडि (C);  
 57 पञ्चपाविस (B); 58 न्यारिस (C);  
 59 योग्य (B, C); 60 जोधूर (B) - C लोकोप सुसुवग  
 ता जोडा.

दुग्गिभलिला तपेट दुग्गिभिभिदिग  
 घा छिवा छिवा विभज्ज मेट्टेग्वा रु  
 डिमरु भमि मिवमया मरा मराणापा  
 म्हा ॥ भय एहुंउहुंउवेणीरंभमहा  
 एहुंउहुंउहिपाहु मिहुंउहिनेमिउही  
 लिमहेएहुंमुजिनीरमाहुंमिवएमा  
 देवा वए देवेवए धिण उना केमा ए  
 कवए अए कमा कवए केएकए  
 कमा भनमा उधवनमा महुंउ ॥  
 महुंउवेनिमिउडे देवयये अएकडे  
 मिलाउेनकिडे देवेमयः मिहुंउपेविमु  
 एहुंउहुंउहुंउमिहुंउमेव ॥ ०१  
 अमावुला धरनिमा अमाभिमाना व  
 मा तपेमा नदिधि यइमहरमकुमुभ

७

62. बोधिवीथं बोधिनीर (B); बोधिवीथ (C); 63 हिमन्त्र (C);  
 64. मुले (?) ; 65 ए-सारायं (C); 66 हिरि (C);  
 67. देवा (C); 68 करक (C); 69 दूट (C);  
 70 पडेनम् (C); 71 मनि (C);  
 72 मुदुवे (C) यदुनय (C);



<sup>73</sup> भुजुग्भा भाम भल कान धियि ॥  
<sup>74</sup> सुव सुनं भद्र भुलिक सयनुन भनः  
 भालिहृमहृमभीनं रलेठि मुजुरेयष ७३  
 सुष्ठुना सुयउ गच्छेना गकि थकेनेग  
 किमिना ह उगज योग सुयउ रेगछे  
 ना गकि किना नउ किफुउ किफुउ  
 हुना ॥ एगगउणी उरेहृदरेण  
 उवमयेगभनयकटः भमगउः भे  
 यडाणवउइगउहृमवेदरुमंनकिमिहृग ७७  
 भेकवा मिमेज पछेग ल गा एरेउक  
 ले मूउं वने ठेलेग सुभा येभा येवे  
 मपिउभा उवेवले मेया हेया उडुवि  
 मभा सुहभा ॥ एहृमचं अरुव  
 डिधुधुः मूह मचं सेइलीननठहृभा

७६ मउव (C);  
 ७७ (मउव - A);  
 ७८ श्रुतवानो (C);  
 ७९ अमो श्रुतवानो (D);  
 ८० (मउव - C + D)

७३ मकारि (C); ७४ स्वासा (C, D); ७५ अहान (A);  
 ७६ गगनानो (C); गहनो (D); ७७ गहिन (D);  
 ७८ आयस (D); ७९ गहिन (D); ७९ पकनो (B-D);  
 ८० गहनो (A); ८१ गगनानो (C); ८२ योउ (C);  
 ८३ आयस. ८४ गहनो (C)

११९ रिक्थ गछेन ना शानि गनर (C); रिक्थ गछेन ना...  
 १२० दुजो (C) मुजेरे (D); रिक्थिना गछेन ना... (E) ५  
 १२०-१२१ वाकोक (E) लीम गय (D); १२१-१२२ गारुतुर (D)  
 १२३ यमभर (D); १२४ सुधेना (D); १२५ बलेय (D)

भुजुग्भा भाम भल कान धियि ॥  
 भलनुभा ॥ ७१ ॥ मिउ उरगे गगने हृम  
 वने निमेध मुकि ठडिगे एनलकृ मउउवे  
 गियमे रणग एनेना भुला सुपना ठेएनी  
 ग पछु ॥ मिउठिणः भवगउमुरङ्गः ग  
 उरेये एनलकृ गभी एरेवण कृल विवेकव  
 लनेठिउवायुहृयभणरेणग ॥ ७२ ॥ पि  
 नगहन नमि भना उरे हृउ यमवा इउ  
 उभाया पयु मभा ठेलेलि यमठण ऊरे  
 मेदुन पमेउ एहृलमु ॥ पयन कृध उउ  
 धिभनेयभुगउहृभा भमुजेनेउमल हृगहृ  
 हउंदिमिहृलः ॥ ७१ ॥ यवउग मलिउभा  
 सुभुग डिउ, गुण यवे मलिउभा सुदग सुवा  
 मिउनाय भविमगरभा धिउ धिउ हृदभा वना  
 कना वना ॥ सीउंउं वमनं एहृग मउं वमनं

१२६ बुध (C);  
 १२७ बलेय (D);  
 १२८ रू (D);  
 १२९ मोज (C, D)

१११ रोव (C) लवणानु (D); ११२ भमभा भुंन्ना? (E);  
 ११३-११४ अमवानो (B); - वाणो (C); D अहं दमवतो;  
 ११५-११६ हृण्डि (D); मिउि हृण्डि (E); ११७ ररेर यमे (D);  
 ११८ जानो (C, D); ११९ लदा (C); १२० लोदेन वायुहृम -  
 पयरोधार (B, C, D)





भनेविवकिउंन यमलंठेगात्रमिउंनम १३  
 मरुणम मम उरुमा नेगमि उमिभवाण  
 भुतिहुग मलिलम लवम एना मिलेउ  
 गकिउउिहेकडुग मरुणविमग ॥ भुठ  
 वलवैवममेभिकारं उषममः किंउपगवि  
 वेकः नीरैकउपलवम उषमवेउषैकउप  
 वधिनेधलहः ॥ १७ ॥ लेण भवेना म  
 ढल विमगने रुगएउने कल्यन इवा  
 नमेहेया उमेगमव पुगने सुउम सुउमि  
 लेग गुवा ॥ लेठठकवैभनभुंउउकडेनि  
 उंअभठवविभनः सुउम सुउनेवठिउंयषेव  
 उअउंउउउरुहिचषेव ॥ ३० ॥ भुउम ए  
 न भल मलेभा भनभा सुमिलठेभा एन  
 भा एन मेयलि ठिठेभा नमा धनभा भवे  
 या मेया उउनवा किन ॥ मिउउनेनिमल  
 वंभयउंभेउउमभुएनेभुठठिह रुधेदेवः

३८

130. गव(C);  
 गो(D);  
 139. उकुस(C);  
 मवेर(अ);  
 मवेर(अ);  
 140. नौ(D)

नी.

130 - नुचिन्तनेः (C); - चिन्तनात् (B, E);  
 131+ लुति (C) लेति (A); 132 मारुण (C); 133 विचारोप,  
 134 दुगो (B), दुगो (C); 135 जानोव (C), जानुव (A);  
 136 लेशि (C); नेशि (A), निशि (E); 137 मारुण (C),  
 नौ गव (D);

मधुमचंडुलमभुइमदिउडुहमः  
 कीरुउेयंउपेयुः ॥ १० ॥ गलाग  
 निम उला परनेम मपेनभा यभा ये  
 ममि मरुण उभुमया अण करनभा उ  
 सुभनन कमा हुन भुमि ॥ निउउ  
 वभाभषवभुवउउचउवचं विविणः  
 भुपुयः नरुभयधुषवविधंविउ  
 सुवेणभउधनभुभु ॥ १० ॥ किन  
 किधि उरए सुमि उउला गगनभा केने  
 विकमि मरुणं गूमेना भावमि मिव  
 अएना सुग सुमि ॥ नमंगउक  
 यलुभनमंलभेयणयहुरएनीविठ  
 डि पइएमडुःमिवपधिलीनःभ  
 नडुगंनगुमउषमहः ॥ ११ ॥ ॥

१०. गडेव (C), करेन (B), १०. पडेन (C), परीन (D);  
 ११. करेनि (D); १२. असलानी (B, E), असलानी (D);  
 १३. अरुयः (C) ०६. मरुण; १४. रुग (B-E);  
 १५. हिजि (C), उमेनि (D), निजि (हिजि मरुण) (E);  
 १६. आधि (C), अधि - विचारी (E).







भव्य येभा मिउभा करि उभा भभा भव्य  
 करिहुन ॥ सुदुर्गुंनकिउयेननिहं  
 दूरगेषुभवाकेयेउयभा दुदुमिउउदिम  
 मैकभरंकिउमुहैअनुवनेचिपेयभा ॥ ३८  
 संभरभा सुयभा उपेनेपभकसा लठेभा  
 भदएभा भारेभा नकेन उभनकैमिभर  
 निळाउलभनिका ॥ सुभाहुसंभरभदव  
 रक भुभुविमुहंभदएभुवेणभा भियेउक  
 भुपिनकेपिमवभउभउमंभुडिउलुपु ॥  
 भुषया जीउना गमुना भव्यभे गरिनभुग  
 ज्ञनभेलेमिडु परउ मेनिधुल सुममिने  
 का उरुभेनेली ॥ यउनेभेकपिघ  
 भरुभीभव्यभिनभीउवरदुघति मिउक  
 भपुनभलहउउदुचभुलंठेतिनीलभा  
 रग ॥ ३७ ॥ धवनभा प्रग येभा श्री

वणि उभा उतभ्यमिनहुहुउ दधा उयभा  
 करेना सुडिनु गणि मेसंभरभा एयननि  
 ह ॥ यःप्रकेनमिउंभुवेणयेदुदुगमिक  
 भा नधीदुयडिसंभरभदलंमंभुएलीविउ  
 भा ॥ ३१ ॥ एला घभने रुउवना उम  
 वेने उच्चगभनेपरिवलेग परिउ कउप  
 निदुग सुभवेने सुडिनुभकले कथएपरि  
 उ ॥ नीरभुभेवफिमैहउवैवपदसुदुहे  
 भयनंविमिधुभा देदेपनेःकभुभयसुउउ  
 रुचंदेउलुभिउंकेउवमु ॥ ३३ ॥ केमे  
 येमे उ उमपेसनी कभा उभभा लण  
 रिभा प्रणि कवगदे कलिभा एला  
 री कभिभव्यसदुग वेए ॥ कःपेयि  
 कःकथिसउमुपडीभयसकैवेववमु  
 एए कइउषकिंगहुकंविपेयंभव्य



वणि उभा उन्नम्यन्निनहु कृत्तु इधा उयभा  
करीना अडिन्ना रणि मे संभारभा एयनवि  
हृ ॥ यः प्रदेनमि तुं सुं रेणये तु द्रुमिक  
भा नधी दयति संभारं भठलं मं पु एली विउ  
भा ॥ ३१ ॥ एला घर्भने रुउवना तुम  
वेने उच्चगर्भने धरिवल्लेगु मरिडा क० प  
निदना सुभार्वने सुडिन्नामकले कथपमरि  
डा ॥ नीरमुं भुवदि मंडुं उच्चैव पत्त सुडिन्ना  
भयं विमिधुभा देदेपनेः कथुमपु सुउड  
इचं इउल्लुभिउं कैउवमु ॥ ३३ ॥ कैमे  
धेमे उ कुमपेमानी कभा कुमभा लला  
रिभा अलि कवगडे रलिभा एला  
री कभिभउमदुग वेलि ॥ कः पोरधि  
कः कथिमउमु पडी भयं सुकं देववरमु  
अए कइउम किं गहुकं विपे घं भउमु



ची.

वणि उभा उनभ्यमिनुहुहु उ दधा उयभा  
करेना मुडिनु गणि मे मंभारभा एयननि  
हु ॥ यः प्ररकेनमिउं मुं रेणयेहु हु हु मि  
भा नपीदुयति संभारै भठलं मं धि ए विउ  
भा ॥ ३१ ॥ एला घभने हुउवना हुग  
वेने उच्चगभने धरिवल्लेग मरिग कठप  
निदुग सुभवेने मुडिनुभकले कपटमरि  
ग ॥ नीरमुभेवफिमहुउघैवपल्लमुदहु  
भयनंविमिधुभा ददेपनेः कधुभयुमुउहु  
हुचहुउहुभिउं केउवमु ॥ ३३ ॥ केमे  
धेमे उ कुमपेमनी कभा कुभभा लला  
रिभा प्रणि कवगदे रुणिभा एल्लग  
री कभिभनुसहुग वेणि ॥ कः पोरधि  
कः कथिमउमुपद्मी भयैसुके घैववरमु  
प्रण कहुउघ किं गहुकं विपे घंभनुसु



कथुडुवमभूयेष्टः ॥ ३७ ॥ भनायेमेउ  
 उच्छा धेमा नी ठवके ऊभुभा नमरेष्टिभा  
 एष्टि समिरभगदेष्टिभा एलपगी क  
 पिभनु रंभुग वेष्टि ॥ उच्छा धेमेउ ननुपे  
 धिकह भगयपुधंरु रुठवनाष्टु कथ  
 उमकिं गदुकं विष्टिं भनु सुभुवमभूयेष्टः  
 भनायेमेउ उच्छा धेमा नी ठवके ऊभुभा  
 लगेष्टिभा एष्टि समिरभगदेष्टिभा  
 एलपगी कथिभनु रंभुग वेष्टि ॥ उच्छा  
 धेमेउ ननुपे धिकह भगयपुधंरु रुठ  
 वनाष्टुभा भुननुप्रवेत्तुकं समष्टु भेन  
 एष्टिभनु मभनयेसभा ॥ ४० ॥ अयभा क  
 भिमेस कभिवडि गष्टिना गष्टिभा कभिमि  
 मे कवएनवडा मुष्टिमाया लागभा वडि  
 कभा कुनेभा ककभा ऊमभडा ॥ कथ  
 भिस केनपष गडा कपसुनमिष्टुभिकय  
 वकेन ।

श्री.  
 उ

७  
 उडंगडिंवेष्टिनिष्टं नउभुवकुभभाइलपा  
 डिंठएष्टिभा ॥ ४० ॥ गगना सुया कुडला  
 सुया सुया मिना पवना उरडा मुडा सत्र  
 वे भुया थाले सुया सुया भकलेया उल  
 गलिषा कडा ॥ अकमंभुवपुगपेनलम  
 गहिमरुमुडिभचंभुव वकहहदुधमभ  
 मिमहंउडुएडुं नैवकिडिल्लठेदभा ॥ ४१ ॥  
 यमेलेठा उ भनभा भगे उभया भगडाल  
 नेनेदभा यमेभकए रंभुग गग उमे भुगे  
 विनेनेष्टभा ॥ कभेलेठेदुडिमुडिष्टेन  
 यडुप्रचंभारिडभनमेराः उनेवकेन  
 सुगंभलकुभचंउंठभवठवएउभा ४३  
 थानभा लगेडा वेष्टिभा भिस भिमिउ कड  
 ना लेष्टुभा कडा के एनभा भाडा यलि  
 दरेभाया भिस भिमिउ थानभा देडभा  
 कडा ॥ भयमि धेमेसपिणनउभुभभ



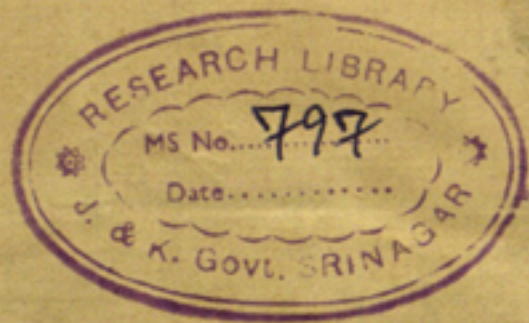




ॐ

यिनी







# NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS

## MANUS DATA

DSO 00001 5621

S-607

Record No.	Organization / Individual <div style="text-align: right; margin-right: 20px;">5621</div>
------------	---

Name of the Institution	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection	x		

Title of the Text	Lalla vakyan
Other Title	
Author	Lalla
Commentary	
Commentator	gar no
Language	Sanskrit
Script	sharda
Date of Manuscript	
Key words	
Subject	Poetry / (Sanskrit grammar)

Bundle No:.....x.....	Acc. No./Manuscript No....797.....
No. of Folios.....11/11.....	Pages.....22.....
Size of Mss.	20x15.2 cm
Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others	
Missing portion	no
Illustrations	NO
Complete/Incomplete	
Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck	
Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card	
Colour of Manuscripts	cream
Remarks	good Bound

C-67  
27/10/18